

पुरुलिया छऊ

हाल ही में केरल के कोझिकोड में **पुरुलिया छऊ**, एक लोक नृत्य, प्रस्तुत किया गया था।

- **छऊ** आदवासी और लोक मूल के समन्वय वाला पूर्वी भारत का एक अर्ध-शास्त्रीय नृत्य रूप है। इसके प्रदर्शन में कलाबाज़ी से लेकर **मार्शल-आर्ट** तक शामिल होते हैं और इसमें ऐसे नृत्य भी शामिल होते हैं जो धार्मिक वषियों के आधार पर संरचित होते हैं।
- पुरुलिया छऊ नाम बंगाल के **पुरुलिया ज़िले** से आया है जो छऊ का गढ़ है। यह **छऊ नृत्य की तीन अलग-अलग शैलियों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है**, अन्य दो **झारखंड से सरायकेला छऊ** और **ओडिशा से मयूरभंज छऊ** हैं।
 - वेशभूषा वभिन्न शैलियों के बीच अलग-अलग होती है, पुरुलिया और सेराकेला पात्रों की पहचान करने के लिये मुखौटे का उपयोग करते हैं।
- इसे 2010 में **यूनेस्को** की **मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक वरासत की प्रतिनिधि सूची** में शामिल किया गया था।

